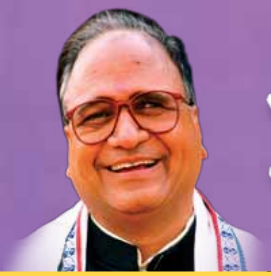

आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

# सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 133 ● मुद्रण तारीख » 1 जनवरी-2023 ● कुल पृष्ठ » 20

## तीसरी नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप सम्पन्न

## गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का कीर्तिमान

# संस्थान को मिली नई पहचान

# आपकी दुआएं चलेंगी दिव्यांगों के संग

**आपश्री जन्म दिवस, शादी की वर्षगांठ व पुण्य तिथि पर दिव्यांगों को दें अपना आशीर्वाद**

Donate Now

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं. : +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

» 1 जनवरी, 2023 » वर्ष 12 » अंक 133 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 20

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

# सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सअप : +91-7023509999

Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

## नववर्ष, मकर संक्रान्ति एवं गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

05

18

08

13

14

17

**संपादक मंडल**

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 January, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 ( No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

# सच्ची सेवा का स्वरूप

**'सेवक' प्रशान्त भैया**

एक बार दो पड़ोसी राज्यों में युद्ध छिड़ गया। बहुत भयानक युद्ध चल रहा था। युद्ध में बहुत सारे सैनिक घायल हो जाते थे। दोनों राज्यों की सेना में ऐसे कर्मचारी भर्ती किए गए थे जिनका काम था युद्धस्थल पर जाकर अपनी-अपनी सेना के घायल सैनिकों की मरहम-पट्टी करना और उन्हें पानी पिलाना।

उनमें से एक राज्य की सेना का एक कर्मचारी था पंडवरण वह युद्धस्थल पर जाता और घायल सैनिकों को पानी पिलाता और उनकी मरहम-पट्टी करता। उसे जो भी घायल सैनिक नजर आता चाहे वह उसकी अपनी सेना का हो या विरोधी राज्य की सेना का, सभी की सेवा करता। इस बात को लेकर उसके पक्ष के कुछ सैनिकों ने राजा को शिकायत की कि पंडवरण विरोधी राज्य के घायल सैनिकों की भी मरहम-पट्टी करता है और उन्हें पानी पिलाता है। राजा ने उसे तुरंत बुलाया और पूछा - पंडवरण! तुम्हें अपने राज्य के घायल सैनिकों की सेवा के लिए रखा गया है, किन्तु तुम तो विरोधी राज्य की सेना के घायल सैनिकों की भी सेवा कर रहे हो। ऐसा क्यों ? पंडवरण बोला - महाराज मेरा कर्म है कि मैं घायलों की सेवा करूं।

मैं जब युद्ध स्थल पर जाता हूँ तो मुझे सिर्फ दर्द से कराहते घायल मानव नजर आते हैं। मुझे उनमें अपना या विरोधी नजर नहीं आता है। मुझे सिर्फ अपना कर्म याद रहता है इसलिए मैं हर घायल की सेवा करता हूँ।

पंडवरण की बात सुनकर राजा ने उसे गले से लगा लिया और कहा - पंडवरण तुम सच्चे सेवक हो। कथा का सार यह है कि सेवा कर्म में अपने और पराए का भेद नहीं किया जा सकता।

संपूर्ण मानव जाति की समान दृष्टि से सेवा ही सच्ची सेवा है। वह सहज दयावश और मानवता के नाते की जानी चाहिए।

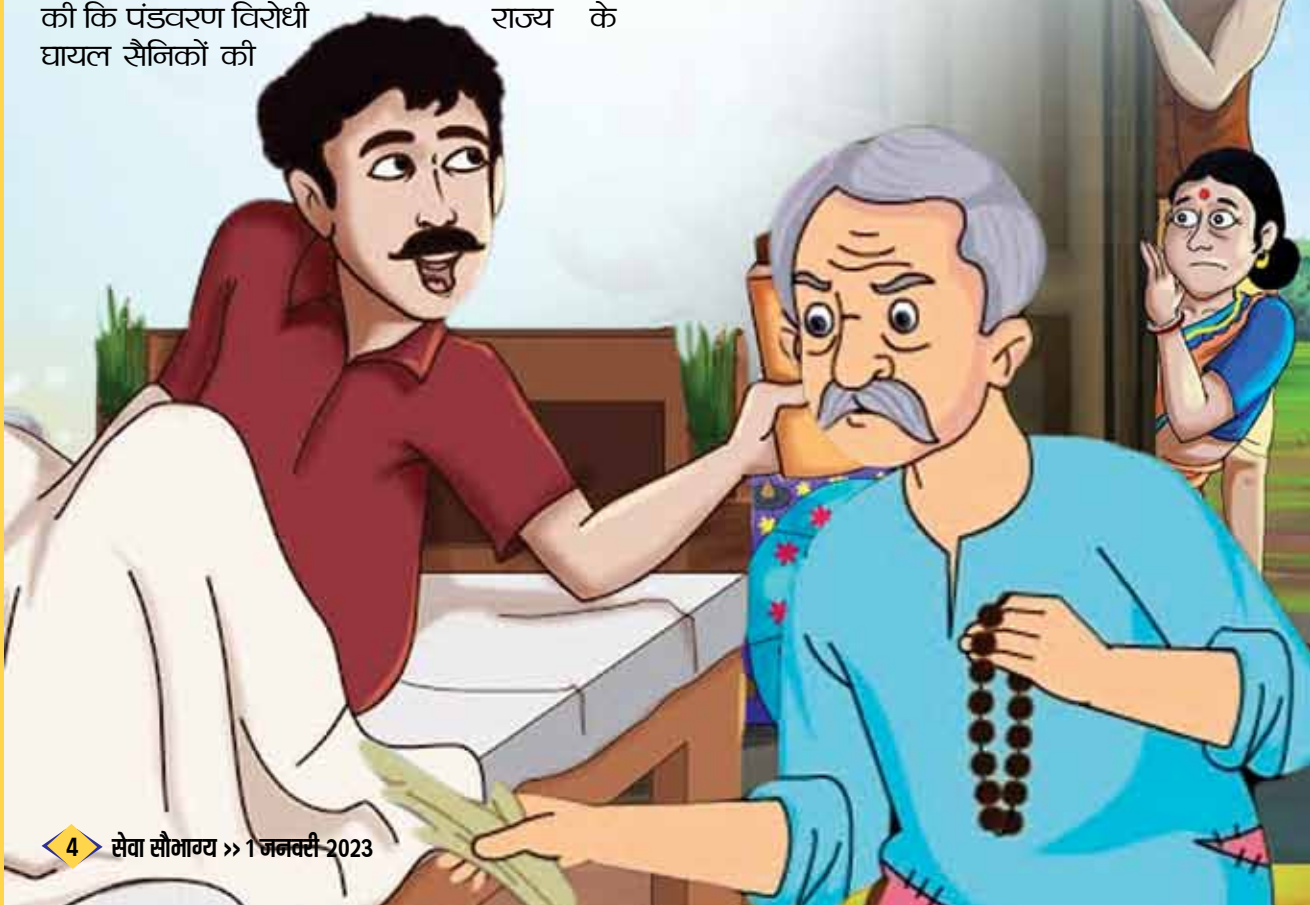

# स्वामी विवेकानन्द की सलाह

**पू. कैलाश 'मानव'**

हर किसी का काम करने, सोचने-समझने का तरीका अलग होता है। कुछ तुरन्त कदम उठा लेते हैं, तो कुछ हर तरह से सोच-समझकर आगे बढ़ते हैं। अनुशासन, श्रम और धैर्य से कई मुश्किल काम आसान हो जाते हैं और कई काम बिगड़ने से बच जाते हैं। स्वामी विवेकानंद जयंती (12 जनवरी) पर प्रस्तुत है - उनकी एक प्रेरणास्पद सलाह।

एक बार एक युवक स्वामी विवेकानंद के पास आया और उनसे निवेदन किया, 'मुझे गीता के ज्ञान का मर्म समझा दीजिए।' स्वामी विवेकानंद ने उस युवक से कहा, 'पहले छह माह फुटबॉल खेलो और अपनी क्षमता के अनुसार गरीबों और असहायों की सहायता करो, उसके बाद मेरे पास आना, मैं तुम्हें गीता के ज्ञान का मर्म समझा दूंगा। 'युवक को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने सोचा, आखिर गीता-ज्ञान का संबंध फुटबॉल या सेवा कार्यो से कैसे है? कहीं ये मुझे टालने के लिए तो ऐसा नहीं कह रहे हैं? उसने अपनी जिज्ञासा स्वामी जी के सामने रखी और कहा, 'स्वामी जी, गीता एक धार्मिक ग्रंथ है, उसके संदेश का मर्म जानने के लिए फुटबॉल खेलना या गरीबों की सेवा करना क्यों आवश्यक है?' इस पर स्वामी जी ने उसे समझाया, सुनो युवक! गीता, वीरों और त्यागियों का महाग्रंथ है। इसलिए जो व्यक्ति वीरत्व और सेवा भाव से भरा नहीं होगा, वह गीता के गूढ़ श्लोंकों और कृष्ण-अर्जुन संवाद का रहस्य नहीं समझ सकता तथा वास्तविक जीवन से उसका निहितार्थ नहीं समझ सकता। इतना सुनते ही युवक को स्वामीजी का आशय समझ में आ गया और उसी समय उसने प्रण किया कि वह गीता को समझने के लिए स्वयं को सुपात्र बनाएगा। उसने फुटॅबाल और व्यायाम से अपना तन बलशाली बनाया और गरीबों, दुखियों की सेवा से जीवन को पवित्र किया।

फिर ठीक छह माह बाद वह स्वामी जी के पास पहुंचा। तब स्वामी जी ने कहा अब वह वास्तव में गीता को समझने का पात्र हो चुका है। उन्होंने उस युवक को बड़े प्रेम से अपने आश्रम में ठहराया और गीता का मर्म समझाया वह युवक गीता के ज्ञान से इतना प्रभावित हुआ कि उसने गीता प्रचार मंडल की स्थापना की और गीता का काव्य रूपांतरण बांग्ल भाषा में किया। वह युवक कोई और नहीं, देश के महापुरूष सतेंद्र बनर्जी थे।

# विश्व की सबसे बड़ी व्हीयचेयर चैम्पियनशिप

## दुनिया का सबसे बड़ा दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट, 300 खिलाड़ी, 100 विशेषज्ञ-अधिकारी, सात दिन, 27 मैच

खुद को कर बुलंद इतना की तकदीर से पहले खुदा बन्दे से पूछे बता तेरी रजा क्या है।' यह मात्र उक्ति ही नहीं, बल्कि इसे चरितार्थ भी कर दिखाया दिव्यांग खिलाड़ियों ने नारायण सेवा संस्थान की पहल पर हुई तीसरी राष्ट्रीय व्हील चेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप में। कमर से नीचे तक दुर्घटनाओं अथवा बीमारी में नाकाम अंग के बावजूद इन्होंने वो दमखम दिखाया, जिसे देख लाखों दर्शकों ने दांतो तले अंगुली दबा ली। इस आयोजन के माध्यम से दुनिया में इस खेल का पहला गिनीज विश्व रिकार्ड संस्थान ने अपने नाम किया। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में डिफरेन्टली एबल्ड क्रिकेट कौंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई), व्हीलचेयर क्रिकेट इंडिया (डब्ल्यूसीआई) व आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के सहयोग से विश्व विख्यात झीलों की नगरी में आयोजित इस चैम्पियनशिप में राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बड़ौदा, गुजरात, मुम्बई, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश व तेलगांना की (कुल 16 टीम) टीमों के 300 खिलाड़ियों ने अपने 100 से अधिक प्रशिक्षक, विशेषज्ञ व अधिकारियों के साथ भाग लिया। चैम्पियनशिप में 24 लीग

# AMPION

## मिले शुभकामना संदेश

**माननीय अमित जी शाह,** गृहमंत्री भारत सरकार, नई दिल्ली

**माननीय श्री अशोक जी गहलोत,** मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, जयपुर

**माननीय श्री टीकाराम जी जूली,** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, राजस्थान

**श्रीमती कृष्णा जी पूनिया,** अध्यक्ष रा. राजस्थान क्रीड़ा परिषद्, जयपुर

**माननीय उमाशंकर जी शर्मा,** विशेष योग्यजन आयुक्त, राजस्थान

मैच, 2 सेमीफाइनल व फाइनल मैच सहित कुल 27 मैच संस्थान की डबोक स्थित नारायण पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी सहित तीन मैदानों पर 27 नवम्बर से 3 दिसम्बर (विश्व दिव्यांगता दिवस) तक खेले गए। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के मैदान पर टूर्नामेंट का 27 नवम्बर को संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश जी 'मानव', मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव डॉ. जी. एल. शर्मा, डेफ पैरालिंपिक (बेडमिंटन) स्वर्ण पदक विजेता अभिनव शर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय स्क्वैश स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी सुरभि मिश्रा, डूंगरपुर के पूर्व मेयर श्री के.के.गुप्ता, राजस्थान राज्य विशेष योग्यजन आयुक्त श्री उमाशंकर शर्मा, डीसीसीआई के महासचिव श्री रविकांत चौहान, डब्ल्यूसीआई के चेयरमैन श्री अभयप्रताप सिंह राठौड़ जिला क्रिकेट संघ से सम्बंद्ध मनोज चौधरी, यशवंत पालीवाल व डॉ. प्रकाश जैन के सानिध्य में दीप प्रज्वलन के साथ आगाज हुआ। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों, खिलाड़ियों व अधिकारियों का स्वागत करते हुए तीसरे दिव्यांग क्रिकेट महाकुंभ की जानकारी दी।

# शैलेष ने जड़ा लगातार दूसरा शतक

**हिमाचल के खिलाफ 58 गेंद पर 30 चौकों की मदद से 129रन**

बल्लेबाजी के दम से अपनी ओर ध्यान आकर्षित करने वाले शैलेष यूपी टीम के ऑपनर हैं जो पिछले डेढ़ साल से शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पूर्व शतक जड़ चुके हैं। इनके पिता किसानी करते हैं और स्वयं शकुंतला विश्व विद्यालय से स्पेशल बीएड कोर्स कर रहे हैं। घर की माली हालत ठीक न होते हुए भी क्रिकेट के प्रति गजब का जुनून है। बल्लेबाजी कर शैलेष ने सलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर खींचते हुए दिव्यांग क्रिकेट इण्डियन टीम में चयन की दावेदारी पेश की है।

# कमल ने किया कमाल

## केरियर का पहला और सबसे तेज शतक

**53 गेंद में 125 रन , 23 चौके और 4 छक्के की मदद से मध्यप्रदेश ने 275 रन बनाकर मुम्बई के 266 का रिकॉर्ड तोड़**

मध्यप्रदेश के खिलाड़ी कमल 10 साल की उम्र से क्रिकेट खेल रहे हैं। इनके पिता सिक्योरिटी गार्ड थे लेकिन कुछ वर्षों से वे लकवाग्रस्त हैं। उनके इलाज की जिम्मेदारी भी उनके कन्धों पर हैं। कमल का जीवन भी बहुत चुनौतिपूर्ण है। घर चलाने के लिए जिम ट्रेनर की नौकरी शुरू की लेकिन क्रिकेट के लिए छुट्टी नहीं मिलने के कारण छोड़ दी। वे क्रिकेट मैंच के अलावा ऑटो चलाकर परिवार का पोषण करते हैं। वे इंडिया ए से भी खेलते हैं। अब तक 4 अर्द्ध शतक लगा चुके हैं। इनका प्रदर्शन देखते हुए 2 माह पहले भारतीय व्हीलचेयर टीम में चयन हुआ। उन्होंने अपने पहले शतक पर खुशी जाहिर करते हुए नारायण सेवा संस्थान की बेहतरीन व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

# सेवा सहयोग लाये राहत के रंग जब मिले दिव्यांगों को आपका संग

देश के विभिन्न शहरों में नवम्बर व दिसम्बर माह में नारायण लिंब मेजरमेंट व वितरण के 9 शिविर सम्पन्न हुए। केलीपर बनाने के लिए पी एण्ड ओ टीम ने माप लिए। जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग, केलीपर, ट्राइसाईकिल व व्हील चेयर भी प्रदान की गई। कृत्रिम अंग पाकर रूके हुए पांव फिर बढ़ चले खुशी- खुशी मंजिल की ओर।

## शिविर में लाभान्वित जरूरतमंद

**307**
दिव्यांगों को कृत्रिम अंग वितरण

**632**
दिव्यांगों का हुआ शिविर में पंजीयन

**215**
दिव्यांगों का ऑपरेशन में चयन

**299**
दिव्यांग भाई-बहिनों को व्हीलचेयर वितरण

**118**
जरूरतमंदों को कैलीपर वितरण

# जीवन पथ पर सेवा के कदम

## झीनी-झीनी रोशनी-44

आगन्तुक की ऐसी बात सुन कैलाश की नींद हिरन हो गई, वह जूते पहन अस्पताल जाने लगा तो कमला की भी नींद उड़ गई, वह अन्दर से ही आवाज दे रही थी, कौन आया है, क्या हुआ? कैलाश ने अन्दर जाकर उसे कहा कि वह अस्पताल जाकर आता है, तुम सो जाओ।

कैलाश उस व्यक्ति के पीछे-पीछे अस्पताल पहुंचा। उसके 7-8 साल की बेटी थी। कैलाश को देखते ही वह प्रसन्न हो गई। कैलाश मन ही मन सोचने लगा-यह कैसा सम्बन्ध है, न जान न पहचान, यहां तक कि इनका नाम तक नहीं जानता था फिर भी इस तरह का स्नेह देखकर वह अभिभूत था। अब उसने अपने मन में ठान ली कि वह नियमित रूप से अस्पताल जाया करेगा। कैलाश अब प्रतिदिन एक बार तो अस्पताल का चक्कर लगा ही लेता था। वार्ड में कई लोगों से मिलना-जुलना हो जाता था। इसी क्रम में उसकी भेंट कॉलेज के एक लेक्चरर से हो गई, इनका नाम सोहनलाल पाटनी था। सोहनलाल, कैलाश को इस तरह मरीजों से मिलते-जुलते देख बहुत प्रसन्न हुआ। उसने कैलाश से पूछा कि वह इतना समय कैसे निकाल लेता है। सोहन लाल किसी से मिलने आया हुआ था, उसने कैलाश को कहा कि उसके लायक कोई कार्य हो तो जरूर बताए। कैलाश को रोगियों के समक्ष पेश आने वाली दवाईयों की कठिनाई का अहसास था, उसने तुरन्त कह दिया कि इन्हें दवाईयों की बड़ी परेशानी रहती है, छोटी-मोटी दिक्कत तो वह खुद ही दूर कर देता है मगर उसकी भी सीमा है, उससे अधिक कर पाना उसके लिये मुश्किल होता है। सोहन लाल, कैलाश की बात सुनकर प्रसन्न हो गया। सेवा के यज्ञ में वह अपनी भी आहुति देना चाहता था, इसका अवसर प्रस्तुत हुआ तो वह इसे हाथ से गंवाना नहीं चाहता था। वह कैलाश को दवा की एक बड़ी दुकान पर ले गया तथा उसके मालिक से बात कर कैलाश को हर महीने दो हजार तक की दवाएं उपलब्ध कराने का प्रबन्ध कर दिया। सोहनलाल की इस पहल से कैलाश का अस्पताल व उसके मरीजों की सेवा-सुश्रुषा करने का रिश्ता और घनिष्ठ तथा स्थाई हो गया। कैलाश के पोस्ट ऑफिस में ही एक सहयोगी था जिसे सब लोग मक्खीचूस कह कर चिढ़ाते थे। क्रमशः

**“ नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी ‘मानव’ का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को ‘झीनी-झीनी रोशनी’ पुस्तक में प्रस्तुत किया है।**

# सन् 2022 में सम्पन्न सेवा कार्य

**आप सबके पावन सहयोग से संस्थान ने कई सेवा प्रकल्प सम्पन्न किए और अनेक जन हुए लाभान्वित।**

नारायण रोटी पैकेट
**288058**

राशन वितरण
**30043**

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी
**420** ( बच्चे लाभान्वित )

कम्बल
**13510**

स्वेटर
**27057**

# सन् 2023 में सेवा कार्यों का लक्ष्य

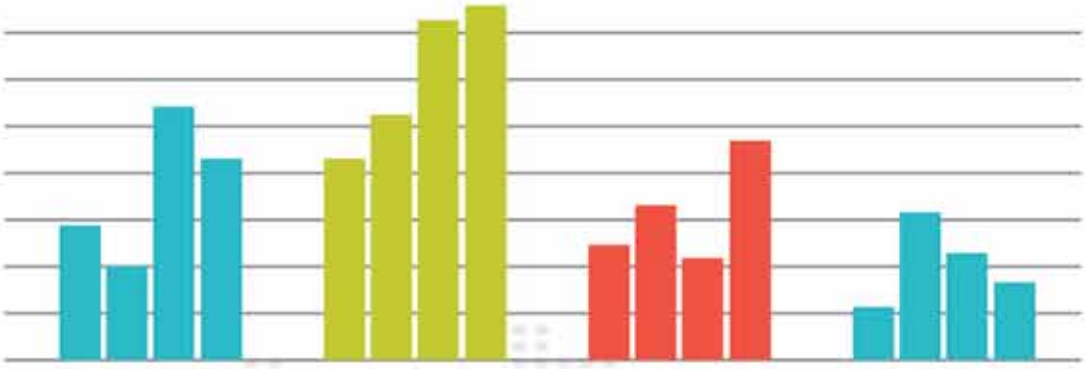

**दानवीरों का सहयोग संस्थान को समय-समय पर मिलता रहा है। आगे भी संस्थान अपने सेवा कार्यों का विस्तार करने जा रहा है-जिसमें आपकी भागीदारी आवश्यक है।**

दानवीर

# ठंड की कंपकपाती रात
# अभावों से मिली निजात

इस सर्दी में निर्धनों को ठण्ड से बचाने के लिए संस्थान ने सुकून भरी सर्दी की मुहिम गरीब, अनाथ, आदिवासी और मासूमों के लिए शुरू की है। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल की टीम शहर के आस-पास की झोपड़ पट्टी और आदिवासी क्षेत्रों में पहुंचकर मासूम बच्चों और नंगे बदन जी रहे असहाय वृद्धों एवं माताओं को निःशुल्क स्वेटर व कम्बल बांट रही है। उन्होंने बताया कि बीते 15 दिनों में 5280 स्वेटर और 3303 कम्बल का वितरण 32 आदिवासी ग्रामों में किया जा चुका है। यह मुहिम दिसम्बर, 2022 से शुरू होकर 26 जनवरी, 2023 तक अनवरत जारी रहेगी।

पर्व

## सेवा, उल्लास, दान, सत्कर्म की बहार

# मकर संक्रांति का त्योहार

**भारतीय लोक परम्परा में 'दान' को अति महत्वपूर्ण माना गया है। कहा गया है कि- 'दान दिए सो हुए सुखारा'। गरीबों, पीड़ितों, असहायों और निराश्रितों को इस पर्व पर मदद करने से बड़े पुण्य का अर्जन होता है।**

**100 दीन-दुःखियों को करायें भोजन**
**पाएं पुण्य...**

**₹ 5000**

**सहयोग करें**

# नारायण सेवा केन्द्र

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

**पूणे**
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

### राजस्थान

**जोधपुर**
08306004821
मेडती गेट के अंदर, कुचामन हवेली के पास, जोधपुर, राज.-342001

**कोटा**
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा ( राज. ) 324005

**जयपुर**
08696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर

### बिहार

**पटना**
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

### हरियाणा

**चण्डीगढ़**
070734 52176
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

**गुरूग्राम**
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए, गली नं.-10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ. कैम्प चौक, गुरुग्राम -122001

**हिसार**
07023003320, मकान न. 2249, सेक्टर-14, हिसार 125005

### (कर्नाटक)

**बेंगलुरू**
09341200200, नारायण सेवा संस्थान 40 ( 12 ) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

### पंजाब

**लुधियाना**
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना ( पंजाब )

### उत्तर प्रदेश

**प्रयागराज**
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

**मेरठ**
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ 250002

**लखनऊ**
09351230395
551/च/157 नियर कोला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

### मध्य प्रदेश

**ग्वालियर**
07412060406, 41 ए, न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे, नई सडक, लश्कर, ग्वालियर 474001

**भोपाल**
095299 20089
ए-846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, रायसन रोड, भोपाल - 462023

### वेस्ट बंगाल

**कोलकाता**
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

### गुजरात

**सूरत**
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

**वडोदरा**
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

**अहमदाबाद**
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शिहाबाग, अहमदाबाद 380004

### दिल्ली

**रोहिणी**
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान, बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास, सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

**जनकपुरी, नई दिल्ली**
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

# नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

### दिल्ली

**फतेहपुरी**
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली-6

**शाहदरा**
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

### उत्तर प्रदेश

**हाथरस**
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

**मथुरा**
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

**अलीगढ़**
07023101169, एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड, अलीगढ़

**मोदीनगर**
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

**बरेली**
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

**लोनी**
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, खिरोड़ी रोड ( मोक्षधाम मन्दिर ) के पास लोनी, गाजियाबाद

**गाजियाबाद**
( 1 ) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कोलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

( 2 ) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर, बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

**आगरा**
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी, नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 ( उ.प्र. )

### राजस्थान

**जयपुर**
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

### गुजरात

**अहमदाबाद**
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

**राजकोट**
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड, राजकोट

### तेलंगाना

**हैदराबाद**
09573938038, लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद -500027

### उत्तराखण्ड

**देहरादून**
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

### महाराष्ट्र

**मुम्बई**
09529920090, ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क, भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

### मध्य प्रदेश

**रतलाम**
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 ( म.प्र. )

**इन्दौर**
09529920087
12, चन्दलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

### छत्तीसगढ़

**रायपुर**
07869916950, मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

### हरियाणा

**अम्बाला**
07023101160, सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

**कैथल**
09812003662, ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

# अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत

कृपया सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

## चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

## स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- कंप्यूटर प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

# के विभिन्न आयाम

## सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

## सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण
- बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर
- रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

# दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

**कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..**

## जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

| ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि | ऑपरेशन संख्या | सहयोग राशि |
|---|---|---|---|
| 501 ऑपरेशन के लिए | 17,00,000 | 40 ऑपरेशन के लिए | 1,51,000 |
| 401 ऑपरेशन के लिए | 14,01,000 | 13 ऑपरेशन के लिए | 52,500 |
| 301 ऑपरेशन के लिए | 10,51,000 | 5 ऑपरेशन के लिए | 21,000 |
| 201 ऑपरेशन के लिए | 07,11,000 | 3 ऑपरेशन के लिए | 13,000 |
| 101 ऑपरेशन के लिए | 03,61,000 | 1 ऑपरेशन के लिए | 5000 |

## निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

| आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति<br>( हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें ) | |
|---|---|
| नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि | 37000/- |
| दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि | 30000/- |
| एक समय के भोजन की सहयोग राशि | 15000/- |
| नाश्ता सहयोग राशि | 7000/- |

## दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

**दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार**

| वस्तु | सहयोग राशि (एक नग) | सहयोग राशि (तीन नग) | सहयोग राशि (पाँच नग) | सहयोग राशि (ग्यारह नग) |
|---|---|---|---|---|
| तिपहिया साईकिल | 5000 | 15,000 | 25,000 | 55,000 |
| व्हील चेयर | 4000 | 12,000 | 20,000 | 44,000 |
| कैलिपर | 2000 | 6,000 | 10,000 | 22,000 |
| वैशाखी | 500 | 1,500 | 2,500 | 5,500 |
| कृत्रिम हाथ/पैर | 10000 | 30,000 | 50,000 | 1,10000 |

## गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

| मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि | |
|---|---|
| 1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500 | 3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500 |
| 5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500 | 10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000 |
| 20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000 | 30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000 |

| शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद | |
|---|---|
| एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग | 11,00/- |
| एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग | 11,000/- |
| एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष) | 1,00,000/- |

## अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

| | | | |
|---|---|---|---|
| STATE BANK OF INDIA | -H.M.Sector-4 | SBIN0011406 | 31505501196 |
| ICICI Bank | -Madhuban | ICIC0000045 | 004501000829 |
| PUNJAB NATIONAL BANK | -KalajiGoraji | PUNB0297300 | 2973000100029801 |
| UNION BANK OF INDIA | -UdaipurMain | UBIN0531014 | 310102050000148 |
| HDFC BANK | 358-Post Office Road, Chetak Circle | HDFC0000119 | 50100075975997 |

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

### अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

### आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

## संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्रीमती अंजली भट्टाचार्य, गुवाहाटी कामरूप (आसाम)

देवीका कौशिक कुरूक्षेत्र (हरियाणा)

श्री चैन राज दोशी पूना (महाराष्ट्र)

श्री किशन चन्द सदारंगानी बैरागढ़ (मध्य प्रदेश)

स्व. श्रीमती गीता देवी धर्मपत्नी श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी, रूद्रप्रयाग

स्व. श्रीमती शारदा हीरानंद खटवानी बांद्रा (मुम्बई)

श्री मनोहर लाल गुप्ता-श्रीमती बिमला रानी जालन्धर (पंजाब)

श्रीमती एवं श्री डंडूराम शर्मा स्वतंत्रता सैनानी बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

कै.सौ. शकुंतलाबाई शांताराम घुड़कू असोदेकर जलगांव (महाराष्ट्र)

# आओ किसी का घर बसाएं

Donate Now

बनें कन्यादानी

दिनांक : 25-26 फरवरी 2023
स्थान :
सेवा महातीर्थ, बड़ी, उदयपुर

# निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह

| पूर्ण कन्यादान ( प्रति कन्या ) | आंशिक कन्यादान ( प्रति कन्या ) | पाणिग्रहण संस्कार ( प्रति कन्या ) | महेंदी रस्म ( प्रति कन्या ) |
|---|---|---|---|
| ₹51,000 | ₹21,000 | ₹10,000 | ₹2,100 |

Seva Soubhagya, Print Date 1 January, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 ( No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-